Bihar Board Class 8 Social Science History Solutions Chapter 10 अंग्रेजी शासन एवं शहरी बदलाव

प्रश्न 1.
औपनिवेशिक शहर, मध्यकालीन शहर से किस प्रकार भिन्न थे ? कक्षा में चर्चा करें।
उत्तर-
मध्यकालीन शहर परम्परागत व्यवसायों, शासन-सत्ता के केन्द्र व मन्दिरों के केन्द्र होने के कारण विकसित हुए थे। जबकि औपनिवेशिक शहर, अंग्रेजों के आधुनिक व्यवसाय-वाणिज्य के कारण विकसित हुए थे। औपनिवेशिक शहरों के विकास के साथ-साथ मध्यकालीन शहरों में वस्तुओं के उत्पादन कम होने लगे, उन वस्तुओं की मांग घटने लगी और ये शहर उजड़ने लगे।

प्रश्न 2.
भागलपुर एक व्यावसायिक शहर था। क्या आप इस विचार से सहमत
हैं ?
उत्तर-
हाँ, मैं इस विचार से सहमत हूँ कि भागलपुर एक व्यावसायिक शहर था। यहां प्राचीनकाल से ही तसर सिल्क का कपड़ा तैयार होता था जिस

कारण इसे सिल्क सिटी कहा जाता था। यहां के बने उत्कृष्ट व कलात्मक .. कपड़ों की माँग यूरोपीय देशों में भेजा जाता था जहाँ इसकी बहुत मांग थी।

प्रश्न 3.
आप किसी शहर के शैक्षणिक, धार्मिक, सार्वजनिक एवं सरकारी भवन की सूची बनाएँ तथा जानकारी प्राप्त करें कि इनका निर्माण कब हुआ? आप यह बताएं कि इसका उपयोग किस काम के लिए किया जाता है?
उत्तर-
छात्र स्वयं करें।

अभ्यास-प्रश्न

प्रश्न 1.
सही या गलत बताएँ

1. भागलपुर शहर का विकास औपनिवेशिक शहरों से भिन्न परम्परागत शहर के रूप में हुआ।
2. मुस्लिम काल में भागलपुर शहर सूफी संस्कृति का केन्द्र नहीं था।
3. उन्नीसवीं सदी में भागलपुर में बंगाली और मारवाड़ी समुदाय का आगमन हुआ।
4. भारत में आधुनिक शहरों का विकास औद्योगीकरण के साथ हुआ।
5. प्रेसिडेंसी शहरों में 'गोरे' और 'काले' लोग अलग-अलग इलाकों में रहते थे।

उत्तर-

1. सही

https://www.evidyarthi.in/

2. गलत
3. सही
4. सही
5. सही

प्रश्न 2.
निम्नलिखित के जोड़े बनाएँ

1. प्रेसिडेंसी शहर – (क) बरेली, जमालपुर
2. रेलवे शहर – (ख) बम्बई, कलकत्ता, मद्रास
3. औद्योगिक शहर – (ग) कानपुर, जमशेदपुर

उत्तर-

1. प्रेसिडेंसी शहर – (ख) बम्बई, कलकत्ता, मद्रास
2. रेलवे शहर – (क) बरेली, जमालपुर
3. औद्योगिक शहर – (ग) कानपुर, जमशेदपुर

प्रश्न 3.
रिक्त स्थानों को भरें

1. भागलपुर नगरपिालिका की स्थापना ..... ई० में हुई थी।
2. भागलपुर में सिल्क कपड़ा उत्पादन का केन्द्र ..... और था।
3. भागलपुर में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले प्रमुख संस्कृतिकर्मी ..... थे। ।
4. रेलवे स्टेशन कच्चे माल का ..... और आयातित वस्तुओं का ..... था।
5. कालजयी उपन्यास ..... की रचना शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय ने की थी।

उत्तर-

1. 1864
2. चम्पानगर, नाथनगर मोहल्ला
3. शरतचन्द्र, अशेंदु बाबु, हरिकुंज
4. संग्रह केन्द्र, वितरण बिन्दु
5. देवदास ।

आइए विचार करें

प्रश्न (i)
शहरीकरण का आशय क्या है ?
उत्तर-
व्यापारिक एवं राजनीतिक कारणों से किसी क्षेत्र में होनेवाली – विकास एवं समृद्धि के उस क्षेत्र में शहरीकरण की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। धार्मिक केन्द्र के रूप में भी जब किसी क्षेत्र में आस-पास के लोगों का वहां आकर बसना शुरू हो जाता है तो उस क्षेत्र में शहरीकरण शुरू हो जाता है।

https://www.evidyarthi.in/

किसी क्षेत्र में जब अमीर वर्ग एवं गरीब वर्ग दोनों रहते हों और वहां व्यापार फलना-फूलना शुरू हो जाता है तो उस क्षेत्र में शहरीकरण की प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

प्रश्न (ii)
अठारहवीं सदी में नये शहरी केन्द्रों के विकास की प्रक्रिया पर प्रकाश
डाले?
उत्तर-
अठारहवीं सदी में शहरों की स्थिति में बदलाव आने लगा। राजनीतिक तथा व्यापारिक गतिविधियों में परिवर्तन के साथ पुराने शहर पतनोन्मुख हुए और नए शहरों का विकास होने लगा। मुगल सत्ता के धीरे-धीरे कमजोर होने के कारण शासन से संबद्ध शहरों का पतन होने लगा। नई क्षेत्रीय शासन केन्द्र लखनऊ, हैदराबाद, सेरिंगापटम, पुणा, नागपुर, बड़ौदा आदि नये शहरी केन्द्रों के रूप में स्थापित होने लगे। व्यापारी, शिल्पकार, कलाकार, प्रशासक तथा अन्य विशिष्ट सेवा प्रदान करने वाले लोग इन नये शासक केन्द्रों की ओर काम तथा संरक्षण की तलाश में आने लगे । व्यापारिक व्यवस्था में परिवर्तन के कारण भी शहरी केन्द्रों में बदलाव के चिह्न देखे गये।

यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियों ने मुगल काल में ही विभिन्न स्थानों पर अपने व्यापारिक केन्द्र स्थापित किए जैसे पुर्तगालियों ने गोवा में, डचों ने मछलीपट्टनम में, अंग्रेजों ने मद्रास (चेन्नई) में, फ्रांसीसियों ने पांडिचेरी (पुदुचेरी) में । व्यापारिक गतिविधियों में विस्तार के कारण इन व्यापारिक केन्द्रों के आस-पास शहर विकसित होने लगे । जब व्यापारिक गतिविधियां अन्य स्थानों पर केन्द्रित होने लगीं तब पुराने व्यापारिक केन्द्र और बंदरगाह अपना महत्त्व खोने लगे।

प्रश्न (iii)
ग्रामीण एवं शहरी अर्थव्यवस्था के अंतर को स्पष्ट करें?
उत्तर-
गाँव के लोगों का मुख्य काम खेती होता है जबकि शहरों में अन्य तरह के व्यवसाय किए जाते हैं। गाँवों में अधिकांशतः किसान और खेती के कामों से जुड़े मजदूर व छोटे-मोटे काम करने वाले लोग और छोटे स्तर पर सब्जियाँ, राशन व अन्य दैनिक कामों में आने वाले वस्तुओं के छोटे दुकानदार रहते हैं। जबकि शहरों में छोटे-मध्यम बड़े व्यापारी, शिल्पकार, शासक तथा 'अधिकारी रहते हैं। पहले अक्सर शहरों की किलेबंदी की जाती थी, जो ग्रामीण

क्षेत्रों से इसके अलगाव को चिह्नित करती थी। शहरों का ग्रामीण जनता पर प्रभुत्व होता था और वे खेती से प्राप्त करों और अधिशेष के आधार पर फलते-फूलते थे। अत: ग्रामीण एवं शहरी अर्थव्यवस्था में स्पष्ट और बड़ा अंतर था।

प्रश्न (iv)
भागलपुर शहर एक व्यावसायिक एवं सांस्कृतिक नगर था। कैसे?
उत्तर-
प्राचीन भागलपुर शहर की पहचान एक व्यावसायिक और 'सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में रही है। घने मुहल्लों और दर्जनों बाजार से घिरा भागलपुर एक महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक शहरी केन्द्र था। शायरी एवं नृत्य संगीत आमतौर पर मनोरंजन के साधन थे । इस शहर में ऐशो-आराम सिर्फ कुछ अमीर लोगों के हिस्से में आते थे। अमीर और गरीब के बीच फासला बहुत गहरा था। यहाँ व्यापारी, अधिकारी, सरकारी छोटे-बड़े कर्मचारी, कारीगर, जुलाहे, बुनकर, मजदूर; हर वर्ग के लोग रहते थे।

https://www.evidyarthi.in/

रेलवे का विकास और शहर से सटे रेलवे और गंगा नदी के किनारे बसे होने के कारण शहर की व्यापारिक गतिविधियों में और भी तेजी आई जिससे महत्त्वपूर्ण व्यावसायिक शहर के रूप में इसे विकसित होने का अवसर प्राप्त हुआ। यहाँ बैंकिंग, कम्पनियों के विक्रय एजेंट, हड्डी के काम के अतिरिक्त सिल्क, सूती, ऊनी कपड़े, किराना, अनाज, तेल का थोक व्यापार होता था। इस शहर का सबसे प्रसिद्ध उद्योग तसर सिल्क का कपड़ा तैयार करना था। यह व्यवसाय बहुत पुराने समय से चला आ रहा था। जिसके कारण इसे सिल्क सिटी भी कहा जाता है। यहाँ का कपड़ा यूरोपीय देशों को भेजा जाता था, जहाँ इसकी बहुत मांग थी।

भागलपुर की सांस्कृतिक विरासत भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं रही है। इस शहर में अनेक नामी-गिरामी साहित्यकारों, संस्कृतिकर्मी, रंगकर्मी, शिल्पकार, संगीतकारों एवं फोटोग्राफों का जमघट लगा रहता था । नामी लेखक शरतचन्द्र, विभूति भूषण बंधोपाध्याय, रविन्द्रनाथ टैगोर भागलपुर प्रवास कर चुके थे। प्रसिद्ध लेखक बलाई चंद्र मुखर्जी उर्फ बनफूल ने यहाँ लंबे समय तक लेखन कार्य किया था। साहित्यकार व रंगकर्मी राधाकृष्ण सहाय यहीं के थे जिन्होंने कई रचनाओं का बंगला से हिन्दी में अनुवाद किया। शरतचन्द्र ने कालजयी उपन्यास 'देवदास', विभूति भूषण बंधोपाध्याय ने 'पथेर पांचाली' का सृजन भागलपुर में ही रहकर किया। अतः भागलपुर शहर एक व्यावसायिक एवं सांस्कृतिक नगर था।

प्रश्न (v)
भागलपुर को सिल्क सिटी (रेशमी शहर) कहा जाता है। 'क्यों?
उत्तर-
भागलपुर शहर का सबसे प्रसिद्ध उद्योग तसर सिल्क का कपड़ा तैयार करना था। यह व्यवसाय यहाँ बहुत पुराने समय से चला आ रहा था। इसलिए इस शहर को सिल्क सिटी भी कहा जाता है। यहाँ 1810 में करीब 3275 करघे चल रहे थे। इस व्यवसाय का प्रमुख केन्द्र चम्पानगर और नाथनगर मुहल्ला था। रेशम और सूत की मिलावट से 'बाफ्टा' तैयार किया जाता था। यहाँ का कपड़ा यूरोपीय देशों को भेजा जाता था, जहाँ इसकी बहुत मांग थी। इन्हीं कारणों से भागलपुर को सिल्क सिटी (रेशमी शहर) कहा 'जाता था।

प्रश्न (vi)
शहरों के सामाजिक परिवेश को समझाएँ।
उत्तर-
शहरों में कई तरह के व्यवसाय किये जाने से यहाँ हर वर्ग के लोग रहते हैं। शहरों में व्यापारी, शिल्पकार, शासक, अधिकारी, कामगार, मजदूर, बुनकर, जुलाहे प्रायः हर वर्ग के लोग रहते हैं। पर वहाँ मुख्य तौर पर तीन वर्ग दिखते हैं। एक तो बहुत अमीर लोग जो शासन या व्यापार से जुड़े होते हैं। दूसरे, मध्य वर्ग जो कि शासन से जुड़े अधिकारी या कर्मचारी होते हैं और तीसरे मजदूर या घरों में काम करने वाले कामगार और अन्य बेहद गरीब लोग । अमीर लोग सुविधा सम्पन्न घरों या आलीशान, भवनों में रहते हैं जबकि गरीब लोग झुग्गी-झोंपड़ियों में, जहाँ सुविधा बिल्कुल नगण्य होती है।

https://www.evidyarthi.in/